भारत सरकार
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1530
(दिनांक 31.07.2026 को उत्तर देने के लिए)

त्रिपुरा में सामुदायिक रेडियो को बढ़ावा देना और आकाशवाणी की प्रसारण अवसंरचना का आधुनिकीकरण

1530. श्री राजीब भट्टाचार्जीः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने त्रिपुरा में सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के विस्तार हेतु कोई कदम उठाए हैं तथा वर्तमान में राज्य में कितने सामुदायिक रेडियो स्टेशन संचालित हैं;

(ख) पिछले पाँच वर्षों के दौरान त्रिपुरा के ग्रामीण, जनजातीय एवं अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्रों के सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को प्रदान की गई वित्तीय एवं तकनीकी सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने त्रिपुरा में आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) की प्रसारण अवसंरचना के आधुनिकीकरण हेतु कोई कदम उठाए हैं; और

(घ) यदि हाँ, तो इसके लिए आवंटित निधि, किए गए कार्य तथा स्थानीय भाषाओं, जनजातीय बोलियों एवं क्षेत्रीय सामग्री के प्रसार हेतु उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री
(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) से (घ): केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम "भारत में सामुदायिक रेडियो अभियान को सहायता" के तहत सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को सहायता प्रदान की जाती है। इस स्कीम का उद्देश्य संसाधनों, क्षमता और प्रौद्योगिकी के साथ नए और मौजूदा सामुदायिक रेडियो स्टेशनों (सीआरएस) को सुदृढ़ करना है। इस स्कीम के प्रमुख घटकों में उपकरणों की खरीद या प्रतिस्थापन के लिए नए और मौजूदा सीआरएस को वित्तीय सहायता प्रदान करना और सामुदायिक रेडियो ऑपरेटरों का क्षमता-निर्माण और प्रशिक्षण शामिल है।

मंत्रालय इस स्कीम के तहत जागरूकता उत्पन्न करने और ज्ञान साझा करने को बढ़ावा देने के लिए, देश भर में कार्यशालाओं, सेमिनारों और क्षेत्रीय/राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन करता है। सीआरएस की स्थापना के लिए पात्र संगठनों के बीच जागरूकता उत्पन्न करने के लिए 29-30 अगस्त 2024 को त्रिपुरा राज्य में ऐसी ही एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला में पूर्वोत्तर क्षेत्रों के विभिन्न हिस्सों से लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वर्तमान में पश्चिम त्रिपुरा जिले में एक सामुदायिक रेडियो स्टेशन चालू है। इसे वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान अवसंरचना सहायता हेतु 7.5 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी।

प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास (बीआईएनडी) स्कीम देश भर में दूरदर्शन और आकाशवाणी के प्रसारण अवसंरचना के विकास, आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए सरकार द्वारा अनुमोदित एक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम है। बीआईएनडी स्कीम को वर्ष 2021-26 के लिए 2539.61 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ अनुमोदित किया गया है। इस स्कीम की अवधि दिनांक 31.03.2027 तक बढ़ा दी गयी है।

इस स्कीम में आकाशवाणी के ट्रांसमीटरों और स्टूडियो की स्थापना और आधुनिकीकरण शामिल है, और सरकार ने आकाशवाणी त्रिपुरा के आधुनिकीकरण के लिए 6.96 करोड़ रुपये की कुल लागत से निम्नलिखित परियोजनाएं शुरू की हैं:

- सैटकॉम (अर्थ स्टेशन), अगरतला का उन्नयन
- कैलाशहर और लोंगथई में 5/6 किलोवाट एफएम को 10 किलोवाट एफएम में अपग्रेड करना।
- एसटीएल (स्टूडियो से ट्रांसमीटर लिंक), अगरतला का प्रतिस्थापन।
- एफएम चैनल, अगरतला के लिए 10 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर
- विजुअल रेडियो सिस्टम, अगरतला

आकाशवाणी को अपने-अपने क्षेत्र में स्थित स्टेशनों के माध्यम से राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों की संबंधित क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों तथा क्षेत्रीय समाचारों का प्रसारण करने का दायित्व सौंपा गया है। तदनुसार, आकाशवाणी त्रिपुरा राज्य सहित देशभर में स्थानीय भाषाओं, जनजातीय बोलियों तथा क्षेत्रीय सामग्री को बढ़ावा देते हुए 23 भाषाओं एवं 182 बोलियों में कार्यक्रमों का प्रसारण करता है।

*****